गृह-कार्य मंत्री (पंडित गो० ब० पन्त) : (क) से (घ). केन्द्रीय सरकारी कर्मचारियों को हिन्दी पढ़ाने की योजना के अन्तर्गत निर्धारित हिन्दी परीक्षायें लेने का काम मई १९५७ से सेन्ट्रल बोर्ड आफ हायर सैकिन्ड्री एजूकेशन, अजमेर को सौंप दिया गया है। अक्तूबर, १९५७ में बोर्ड ने पहली बार १७ केन्द्रों पर प्रबोध, प्रवीण और प्राज्ञ की हिन्दी परीक्षायें लीं। चूंकि परीक्षायें लेने का प्रबन्ध बोर्ड करता है इसलिये यह विवरण हमारे पास उपलब्ध नहीं है कि कितने प्रशासनिक, निरीक्षक तथा क्लर्क कर्मचारी रखे गये और कितना खर्च हुआ किन्तु ३४ केन्द्रों पर परीक्षा लेने में लगभग ५०,००० रुपये का अनुमानित खर्चा हुआ है जो सरकार द्वारा बोर्ड को दे दिया जायेगा।

पंचांग सुधार समिति की रिपोर्ट

१३०९. श्री राघा रमण : क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पंचांग सुधार समिति की रिपोर्ट अब तक कितनी भाषाओं में प्रकाशित हो चुकी है; और

(ख) कितनी भाषाओं में अभी यह प्रकाशित होनी शेष है ?

गृह-कार्य मंत्री (पंडित गो० ब० पन्त) : (क) तथा (ख). रिपोर्ट अभी तक अंग्रेजी में प्रकाशित हुई है। इसे भारत की सब मुख्य भाषाओं तथा संस्कृत में प्रकाशित करने के प्रयत्न किये जा रहे हैं।

चीनी मिट्टी के बर्तनों के लिये मिट्टी

१३१०. श्री राजाराम सिंह : क्या इस्पात, खान और इंधन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) चीनी मिट्टी के बर्तनों के लिये उपयुक्त मिट्टी का निश्चय करने की दृष्टि से जो सर्वेक्षण किया गया था, उसके परिणामस्वरूप अब तक प्रत्येक राज्य में कितने प्रकार की मिट्टी का पता चला है; और

(ख) सर्वेक्षण के परिणामस्वरूप प्राप्त नई प्रकार की मिट्टियों का उपयोग करने के लिये क्या उपाय किये गये हैं ?

खान और तेल मंत्री (श्री के० डी० मालवीय) : (क) और (ख). चीनी के बर्तन बनाने के लिये केवल मिट्टी की उपयुक्तता निश्चित करने को राज्यों में कोई विशेष सर्वेक्षण नहीं किया गया। फिर भी भारतीय भूगर्भीय सर्वेक्षण विभाग ने कुछ राज्यों में मिट्टी के अनेकों भूभंडार खोज लिये हैं। खोजे गये भूभंडारों की किस्म और स्थान का ब्यौरा सभा पटल पर रखे गये विवरण में दिया गया है। [देखिये परिशिष्ट ३, अनुबन्ध संख्या १०१]

१९५१ की जनगणना

१३११. श्री चांडक : क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) १९५१ की जनगणना के सम्बन्ध में अब तक क्या सामग्री प्रकाशित की गयी है;

(ख) जिला जनगणना पुस्तिका के प्रकाशन के सम्बन्ध में इस बीच क्या प्रगति हुई है; और

(ग) भविष्य में उनके प्रकाशन में होने वाले विलम्ब को रोकने के लिये क्या कार्यवाही की गयी है ?

गृह-कार्य मंत्री (पंडित गो० ब० पन्त) : (क) पेपर नम्बर ६—"जन्म स्थान के अनुसार आर्थिक वर्गीकरण और शिक्षा स्तर—कलकत्ता" के अलावा १९५१ की जनगणना की सब पुस्तिकायें प्रकाशित हो चुकी हैं। यह पेपर छप रहा है और उसके शीघ्र ही प्रकाशित हो जाने की आशा है। १९५१ की जनगणना की पुस्तिकाओं की सूची की एक प्रति, जिसमें हर एक पुस्तिका का मूल्य दिया हुआ है, सदन के पुस्तकालय में पहले से ही मौजूद है।